Title: Requests the Central Government to provide protection to Shrimati Rama Devi, Member of Parliament.

श्रीमती रमा देवी (मोतीहारी): आदरणीय सभापति जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए धन्यवाद। मैंने ८ जून को इसी सदन में एक प्रश्न उठाया था, जो अब बहुत ही दर्दनाक और असहनीय हो गया है। १३ तारीख को मेरे पति की हत्या हो गयी। यदि मैं जानती कि ८ तारीख को सदन में प्रश्न उठाने के बाद भी मुझे इंसाफ या न्याय नहीं मिलेगा तो मैं इस प्रश्न को कभी न उठाती। मैंने सी.बी.आई. के श्री आर.के.सिंह के विषय में प्रश्न उठाया था कि वे मेरे पति को मारने की साजिश रच रहे हैं। जब मैं १२ तारीख को अपने क्षेत्र गई तो १३ तारीख की शाम को मेरे पति की हत्या हो गई। उसके बाद भी मैं लगातार इस सदन में प्रिविलेज के लिए मांग करती रही लेकिन उसमें भी इन्होंने देर कर दी। आज इस बात को दो-ढाई महीने हो गये हैं लेकिन अभी तक हमको न्याय नहीं मिला है और न ही हमें इंसाफ मिलता दिख रहा है।

... (व्यवधान)

आप लोग शांत रहिये।

सभापति जी, अभी मेरी सुनियोजित ढंग से हत्या करने की साजिश चल रही है जिसकी पुष्टि डी.आई.जी., बिहार ने भी की है। मैं एक मिनट के लिए भी अपने को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हूं। इस बारे में मैं एवं मेरे दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद यादव जी भी ग़ृह मंत्री, भारत सरकार से मिले एवं कई पत्र भी लिखे परन्तु दुख की बात है कि ग़ृह मंत्री, भारत सरकार अभी तक मेरी सुरक्षा की कोई समुचित व्यवस्था नहीं कर पाये हैं। मैंने २४ जुलाई को भी उनको एक आवेदन दिया था लेकिन उसके बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। मैंने उनको पर्सनली मिलकर भी बताया था लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ

... (व्यवधान)

कहने का मतलब यह है कि हम क्या करें? क्या मैं इस सदन में न आऊं या मैं धरने पर बैठ जाऊं? क्या मैं सोचूं कि इस सदन में महिलाओं के लिए कोई जगह नहीं है, उनका कोई अधिकार नहीं है?

... (व्यवधान)

सभापति महोदय तीन बजे होम मिनिस्टर साहब आने वाले हैं।

... (व्यवधान)

">

श्री चन्द्रशेखर (बलिया) : सभापति जी, रमा देवी ने यह सवाल कई बार उठाया है। मुझे बहुत दुख के साथ कहना पड़ता है कि आज भी हमको यह सुनने को मिल रहा है कि भारत सरकार ने उनकी सुरक्षा के लिए कोई प्रबन्ध नहीं किया है। वे संसद सदस्य हैं और यदि संसद सदस्य न भी हों, तो जिन परिस्थितियों में उनकी पति की हत्या हुई, उसके विषय में मैं कुछ कहना नहीं चाहता, लेकिन इतनी गंभीर बात होने के बाद भी सरकार क्यों मौन है और वे इस पर क्यों निर्णय नहीं लेती, यह मेरी समझ में नहीं आता। मैं समझता हूं कि संसदीय कार्य मंत्री यह नहीं कह सकते कि यह ग़ृह मंत्री का काम है। सांसद की सुरक्षा के प्रश्न से आप और अध्यक्ष महोदय सीधे जुड़े हुए हैं। यह कर्ततव्य अध्यक्ष महोदय और संसदीय कार्य मंत्री की है कि हर संसद सदस्य पूरी तरह से सुरक्षित हो और इस पर आज ही आपको कोई कदम उठाना चाहिए। मैं वक्तव्य की बात नहीं कहता लेकिन ग़ृह मंत्रालय की तरफ से उनको तुरंत सुरक्षा मिलनी चाहिए।

SHRI A.C. JOS : The Minister of Parliamentary Affairs should respond to this.

... (Interruptions)

SHRI A.C. JOS : Sir, it is your duty to give protection to the Members...(Interruptions).

... (Interruptions)

">

श्री मदन लाल खुरानाः मैं बात करके बता दूंगा।

... (व्यवधान)

माननीय चंद्र शेखर जी, माननीय रमा देवी जी और माननीय सदस्यों ने जो भावनाएं व्यक्त की हैं, मैं अभी नहीं कह सकता लेकिन इस बारे में बात करके निश्चित रूप से बता दूंगा। ... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The Home Minister is coming at three o'clock and making a statement.

... (Interruptions)